सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 200 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 27 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले मर जाता है और वह अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल खुद ही भुगतता है और वह अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है।
-चाणक्य

हरमनप्रीत को मिली टी20 विश्वकप... 7 | जम्मू-कश्मीर में सजने लगे सियासी... 3 | जिम्मेदार लोगों का काम भय... 2

ईडी व सीबीआई को सुप्रीम फटकार

शीर्ष अदालत ने जांच के तरीके पर उठाए सवाल

» शराब नीति घोटाले में के. कविता को मिली जमानत
» सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा
» विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा
» बीआरएस नेत्री को 10-10 लाख के मुचलके पर रिहा करने का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने फैसलों से भाजपा की गठबंधन वाली एनडीए सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली शराब नीति घोटाले में बीआरएस नेता के कविता को जमानत दे दी। जमानत का आदेश देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एनडीए व मोदी सरकार की सीबीआई और ईडी को भी लताड़ लगाई और उनकी जांच के तरीके पर सवाल उठाए। तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर की बेटी और बीआरएस से एमएलसी के कविता 15 मार्च से पुलिस हिरासत में हैं।

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने एक तिहाई जेल की सजा काट चुके अंडरट्रायल्स की रिहाई की अनुमति दे दी है। बीएनएसएस की धारा-479 के तहत यह प्रावधान है। उधर कोर्ट के इस फैसले को विपक्ष ने सच्चाई की जीत बताई है। इंडिया गठबंधन ने एनडीए सरकार पर निशाना साधा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया जिसमें हाईकोर्ट ने के. कविता की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने के. कविता को दोनों मामलों में 10-10 लाख रुपये का जमानत बांड भरने, गवाहों से छेड़छाड़ न करने और गवाहों को प्रभावित न करने की शर्त पर जमानत देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति बीआर गवई, केवी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई से पूछा कि उनके पास के कविता के कथित घोटाले में शामिल होने के क्या सबूत हैं और जो सबूत हैं वो अदालत को दिखाएं।

अधिकतम सजा का एक तिहाई पूरा कर चुके विचाराधीन कैदी जेल से छोड़े जाएं

सुप्रीम कोर्ट ने एक तिहाई जेल की सजा काट चुके अंडरट्रायल्स की रिहाई की अनुमति दी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-479 में इसका प्रावधान है। इसके अनुसार, अगर अंडरट्रायल अधिकतम सजा का एक तिहाई समय काट चुका है, तो उसे जमानत दे दी जाएगी। बीएनएसएस 1 जुलाई से अमल में आया है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि ये प्रावधान 1 जुलाई से पहले के मामलों में भी लागू होगा। इसके बदले पहले सीआरपीसी में प्रावधान था कि अधिकतम सजा की आधी जेल अवधि काटने के बाद ही जमानत मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इसे मंजूर करते हुए देशभर के जेल सुपरिटेंडेंट्स को इसे अमल में लाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि एक तिहाई अवधि पूरी होने पर संबंधित अदालतों के माध्यम से अंडरट्रायल कैदियों के आवेदनों पर कार्रवाई की जाए। निर्देश दिया कि अधिकतम तीन महीने में इस काम को पूरा किया जाए। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस हीमा कोहली की अगुवाई वाली बेंच ने यह अहम फैसला सुनाया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के सामने सीनियर एडवोकेट गौरव अग्रवाल पेश हुए थे। उन्होंने कहा था कि बीएनएसएस के प्रावधान को एक जुलाई से पहले के मामलों में भी लागू किया जाए। उन्होंने तर्क दिया कि इससे जेल में भीड़ को कम किया जा सकेगा। तब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एश्वर्या भाटी से पूछा कि क्या यह प्रावधान 1 जुलाई से पहले के मामलों में लागू हो सकता है।

हाईकोर्ट का आदेश किया खारिज

के कविता ने दिल्ली हाईकोर्ट में भी जमानत की अर्जी लगाई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने कविता की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया के कविता दिल्ली शराब नीति के कथित घोटाले में मुख्य साजिशकर्ता दिख रही हैं। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ के कविता ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। ईडी ने कविता को 15 मार्च को उनके हैदराबाद के बंजारा हिल्स इलाके में स्थित घर से गिरफ्तार किया था। कविता पर दिल्ली शराब नीति घोटाले में शामिल होने का आरोप है। हालांकि कविता अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करती रही हैं।

एसवी राजू व मुकुल रोहतगी में हुई बहस

के. कविता की तरफ से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी सुनवाई में शामिल हुए। मुकुल रोहतगी ने अपने मुवक्किल को जमानत देने की अपील करते हुए कहा कि इस मामले में सह-आरोपी आप नेता मनीष सिसोदिया को पहले ही जमानत मिल चुकी है। साथ ही सीबीआई और ईडी अपनी जांच भी पूरी कर चुकी हैं। जांच एजेंसियों की तरफ से सुनवाई में शामिल हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दावा किया कि कविता ने अपने मोबाइल फोन से छेड़छाड़ की और उसे फॉर्मेट किया। यह सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश है। हालांकि रोहतगी ने इन आरोपों को बेकार बताकर खारिज कर दिया।

कोलकाता रेप कांड के खिलाफ सड़क पर उतरे छात्र

» विपक्ष ने सीएम ममता बनर्जी से मांगा इस्तीफा
» नबन्ना मार्च में बवाल, छात्र संगठनों पर लाठी चार्ज पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दरिंदगी से दुष्कर्म और फिर उसकी निर्मम तरीके से हत्या करने के मामले में छात्र संगठन नबन्ना अभियान मार्च निकाल रहे हैं। इस प्रदर्शन को लेकर कोलकाता में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

वहीं इसको लेकर सियासत भी गरमाई है। बीजेपी समेत कई दलों ने सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफा मांगा है।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड्स को खींचकर हटा दिया और नबन्ना अभियान मार्च निकाला। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। वहीं, पुलिस ने हावड़ा ब्रिज से प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।

सीबीआई ने कई सामानों को जब्त किया : वाइस प्रिंसिपल

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट सह वाइस प्रिंसिपल सप्तर्षि चटर्जी ने कहा, सीबीआई की टीम सभी दस्तावेज और कंप्यूटर, हार्ड डिस्क देखने मेरे कार्यालय आई थी। उन्होंने जब्त कर लिया और सभी सामानों को ले गए और हमें एक जब्ती सूची दी। मैं कल सीजीओ कॉम्प्लेक्स में अपने हस्ताक्षर प्रमाणित करने गया था जो पहले से ही सभी दस्तावेजों पर थे। हर दिन हम छात्रों से बात करते हैं और संकाय सदस्य अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं ताकि मरीजों को परेशानी न हो। मुझे लगता है कि आरजी कार धीरे-धीरे सामान्य जीवन में वापस आ रहे हैं क्योंकि मरीज की संख्या जो लगभग 100 थी, अब 1000 को पार कर गई है। ओपीडी और इमरजेंसी सहित सभी विभाग काम कर रहे हैं।

लोकतंत्र में मौन बहुमत हो सकता, खामोश नही : राज्यपाल

नबन्ना अभियान रैली पर बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा, पश्चिम बंगाल के छात्र समुदाय द्वारा घोषित शांतिपूर्ण विरोध और सरकार के कुछ निर्देशों द्वारा विरोध को दबाने की खबरों के संदर्भ में, मैं सरकार से भारत के सर्वोच्च न्यायालय के कड़े फैसले को याद रखने का आग्रह करूंगा। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पश्चिम बंगाल राज्य की शक्ति का दुरुपयोग न होने दें। लोकतंत्र में मौन बहुमत हो सकता है, खामोश बहुमत नहीं। इसे याद रखें।

पुलिस और प्रदर्शनकारी भिड़े

आरजी कर मामले में नबन्ना अभियान मार्च निकालते हुए प्रदर्शनकारी हावड़ा के संतरागाछी में पुलिस बैरिकेड पर चढ़ गए। इतना ही नहीं, पुलिसकर्मियों के साथ भिड़ गए और बैरिकेड तोड़ दिए। इस पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। हावड़ा में स्थित नबन्ना भवन राज्य सचिवालय है। इस प्रदर्शन को लेकर कोलकाता में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। हावड़ा ब्रिज को सील कर दिया गया है।

जिम्मेदार लोगों का काम भय से बचाना : अखिलेश यादव

सीएम योगी के बयान की कड़ी निंदा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा है कि जिम्मेदार लोगों का काम भय से बचाना होता है, भय फैलाना नहीं। अगर ये किसी के व्यक्तिगत विचार हैं तो गलत हैं और अगर उनके दल के हैं तो और भी ज्यादा गलत हैं। भाजपा राज में बने भय के इस वातावरण में क्या डबल इंजन कहीं दुबक कर जा बैठा है।

अखिलेश ने एक्स के माध्यम से कहा कि सच तो ये है कि ये आभार उन लोगों का है जो पिछले दो दिनों से अपने मान-सम्मान की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर अपना सक्रि य विरोध दर्शा रहे हैं। इस विरोध का मूल कारण है, भाजपा के एक विधायक द्वारा शोषित-वंचित समाज की एक सम्मानित भूतपूर्व महिला मुख्यमंत्री का सरेआम किया गया अपमान। सदियों से समाज के प्रभुत्ववादियों द्वारा किए जा रहे मानसिक-शारीरिक-आर्थिक-सामाजिक उत्पीड़न के विरुद्ध आज उपेक्षित व तिरस्कृत समाज के लोगों में यह जो नयी चेतना आई है, उसकी एकता और एकजुटता आने वाले कल का सुनहरी समतावादी-समानतावादी इतिहास लिखेगी।

मिल्कीपुर सीट पर मिलकर लड़ाएंगे सपा के सभी दावेदार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के सपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उनके आपसी गिले-शिकवे दूर किए। साथ ही आह्वान किया कि सभी लोग मिलकर वहां होने वाले उपचुनाव में सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद की जीत सुनिश्चित कराएं। पूर्व विधायक आनंद सेन यादव और उनके बेटे अंकुर सेन, देव मणि कनौजिया और सूरज चौधरी समेत सभी दावेदारों ने अजीत प्रसाद की जीत के लिए कोई कोर-कसर न छोड़ने की बात कही। सपा ने मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की है। अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर मिल्कीपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ बैठक की। उन्हें अयोध्या की इस सीट को महत्व को समझाते हुए कहा कि यहां मिली जीत से पूरे देश में संदेश जाएगा।

पीडीए समाज सत्ताधीशों के विभाजनकारी खेल को समझ गया

अखिलेश यादव ने कहा कि ये एक शुभ संकेत है कि पीडीए समाज अब प्रभुत्ववादी सत्ताधीशों के विभाजनकारी खेल को समझने लगा है। चंद लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर ये विघटनकारी सत्ताधारी भले कुछ लोगों को हाथ पकड़कर कुछ भी कहने-लिखने पर मजबूर कर लें परंतु मन से वो 'कुछ मजबूर लोग' भी हमारे ही साथ हैं क्योंकि ऐसे मजबूर लोग भी जानते हैं कि ये प्रभुत्ववादी कभी उनके भले के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। सदियों से शोषित-वंचित समाज के 99प्रतिशत लोग, अब पीडीए में ही अपना सुनहरा भविष्य देख रहे हैं।

बसपा सुप्रीमो मायावती को दिया धन्यवाद

दूसरी तरह अखिलेश यादव ने बसपा सुप्रीमो मायावती के उस आभार के प्रति धन्यवाद जताया है, जो मायावती ने उन्हें भाजपा विधायक के बयान पर आपत्ति जताने पर दिया था। मथुरा के मांट से भाजपा विधायक राजेश चौधरी ने मायावती को सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री करार दिया था। भाजपा विधायक के इस बयान को अखिलेश यादव ने अनुचित बताया था।

अंतिम सांस तक बहुजन मिशन के लिए काम करती रहूंगी : मायावती

» बोलीं- अभी रिटायरमेंट का इरादा नहीं, बीमार होने की खबरें अफवाहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सक्रिय राजनीति से रिटायर होने की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि अंतिम सांस तक बहुजन मिशन के लिए काम करती रहूंगी। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि उनका सक्रिय राजनीति से रिटायरमेंट लेने का अभी कोई इरादा नहीं है। मेरे बीमार होने की फेक न्यूज जातिवादी मीडिया की देन है ताकि पार्टी के लोगों का मनोबल गिराया जा सके। इससे पहले भी मुझे राष्ट्रपति बनाने की अफवाह फैलाई गयी थी।

बसपा सुप्रीमो ने अपने बयान मे कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर व कांशीराम की तरह ही अपनी जिन्दगी की आखिरी सांस तक बसपा व इसके मूवमेन्ट को समर्पित रहने का उनका फैसला अटल है। आकाश आनंद को मेरे नहीं रहने पर या गंभीर अस्वस्थता की हालत में उत्तराधिकारी के रूप में आगे किया है। तभी से जातिवादी मीडिया, ऐसी फेक न्यूज प्रचारित कर रहा है। पार्टी का लक्ष्य 50 फीसद युवाओं को पदाधिकारी बनाने का है।

किसी ने नहीं कराई जातीय जनगणना

मायावती ने कहा कि बसपा वर्षों से जातीय जनगणना के लिए केंद्र में कांग्रेस और भाजपा पर पूरा दबाव बनाती रही है। बसपा वर्षों से इसकी पक्षधर रही है। लेकिन जातीय जनगणना के बाद, क्या कांग्रेस एससी-एसटी व ओबीसी वर्गों का वाजिब हक दिला पायेगी। कांग्रेस एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण व क्रीमीलेयर को लेकर अभी भी चुप्पी साधे हुए है, उसका जवाब दे।

गेस्ट हाउस कांड को लेकर कांग्रेस पर उठाए सवाल

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि गेस्ट हाउस कांड में कांग्रेस की नीयत खराब हो गई थी। वह प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश रच रही थी। तब बीमारी की हालत में कांशीराम ने हास्पिटल छोड़कर इनके गृह मंत्री को हड़काया और विपक्ष ने संसद को घेर लिया, तब कांग्रेस सरकार हरकत में आई थी।

भाजपा में जाएंगे झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि सोरेन 30 अगस्त को रांची में पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ सोरेन की मुलाकात की एक तस्वीर भी पोस्ट की।

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी शर्मा भी बैठक में शामिल थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता चंपई सोरेन ने पार्टी नेतृत्व पर उनका अपमान करने का आरोप लगाया था। उन्होंने एलान किया था कि वह जल्द ही अपने अगले राजनीतिक कदम के बारे में फैसला करेंगे। इस बीच खबर है कि चंपई सोरेन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

विपक्ष को जवाब देने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार : सीएम सुक्खू

» हिमाचल विधानसभा का मानसून सत्र आज से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है। कहा कि विपक्ष सार्थक चर्चा में भाग लें, वाकआउट करके अखबारों की सुर्खियां बटोरने का काम ना करें।

विधायक दल की बैठक में विधानसभा सत्र को लेकर रणनीति तय की गई है। विधायकों की कुछ मांगें थीं, उन पर भी चर्चा हुई है। सदन में सड़क-पुलों, आपदा, अपराध, नशा, स्कूलों के विलय जैसे

कई विषयों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में घमासान होगा। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र मंगलवार को 11 बजे शुरू होगा। 10 दिन तक चलने वाला सत्र 9 सितंबर तक चलेगा। चौदहवीं विधानसभा के छठे सत्र के पहले दिन विपक्ष प्रश्नकाल को बाधित कर हंगामा कर सकता है। विधानसभा परिसर शिमला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि सत्र में सदस्यों से कुल 936 प्रश्नों की सूचनाएं मिली हैं। इन्हें नियमानुसार सरकार को भेजा गया है। प्रश्नों के माध्यम से जो सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, उनमें मुख्यतया स्कूलों का विलय, प्रदेश में हाल में भारी वर्षा, बाढ़, प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न हुई स्थिति, सड़कों, पुलों का निर्माण, स्वीकृत सड़कों की डीपीआर, कॉलेजों, स्कूलों, स्वास्थ्य संस्थानों आदि का उन्नयन एवं विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की पदपूर्ति, पर्यटन, उद्यान, पेयजल की आपूर्ति, युवाओं में बढ़ते नशे के प्रयोग की रोकथाम, बढ़ते आपराधिक मामलों, सौर ऊर्जा, परिवहन व्यवस्था, इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि आदि पर आधारित हैं।

अपनी ही पार्टी के दिग्गजों पर बरसे जदयू विधायक

» सांसद व अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष काला और गोरा नाग हैं : गोपाल मंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भागलपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। उनके ही विधायक ने उनके सांसद और वरीय नेता को गोली दे रहे हैं। उनपर आपत्तिजनक टिप्पणी करते दिखे। अब सोशल मीडिया पर वीडियो खूब वायरल हो रहा है। मामला भागलपुर का है। टिप्पणी करने वाले विधायक गोपाल मंडल हैं।

उन्होंने जदयू सांसद अजय मंडल को काला और अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को गोरा नाग कह दिया। इतना ही नही बुलो मंडल को गाली तक दे दिया। साथ ही जदयू के कार्यकर्ताओं और जनता को उन्होंने इन दोनों बचकर रहने की नसीहत भी दे दी। कहा कि आप लोगों ने वोट दिया है। इनसे कोई उम्मीद मत रखिएगा। इसलिए मैं आगाह करता हूं। दरअसल, रविवार को बिहपुर विधानसभा में एनडीए के कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विधायक गोपाल मंडल भी इसमें शामिल हुए थे। इसके बाद अपने संबोधन के दौरान विधायक ने कहा कि अजय मंडल काला नाग है। और, बुलो मंडल गोरा कोबरा। आप इनसे बचकर रहिए और गोपाल मंडल से ही अपनी सारी उम्मीदें रखिए।

जम्मू-कश्मीर में सजने लगे सियासी शिकारे

भाजपा, नेकां व पीडीपी ने शुरू की तैयारी

» राज्य में परिसीमन का भी पड़ रहा प्रभाव
» सुरक्षित ठौर-ठिकाने की तलाश में जुटे दिग्गज नेता
» कांग्रेस-नेकां में गठबंधन से बीजेपी परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सियासी हलचल काफी बढ़ गई है। विधान सभा चुनावों के ऐलान के बाद राज्य के सारे सियासी दल अपने-अपने तीर-तरकश सही करने में जुट गए हैं। गठबंधन होने लगें है। नेकां व कांग्रेस सबसे पहले एक-दूसरे का साथ देकर भाजपा को असहज कर दिया है। इस गठबंधन से परेशान भाजपा के नेता इस गठबंधन पर हमलावर हो गई है। गृहमंत्री से लेकर बीजेपी कई बड़ नेता कांग्रेस पर हमला वर होकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कई सवाल पूछ रही है।

उधर 370 हटने के बाद से राज्य के कई सीटों का परिसीमन भी हुआ। इसका भी प्रभाव कई नेताओं पर पड़ रहा जिसकी वजह से उनके होश उड़ हुए हैं। वहीं राज्य के पूर्व सीएम फारूक व उमर अब्दुल्ला से लेकर महबूबा, गुलाम नबी आजाद भी अपने-अपने दावं में लग गए है। राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी भी चुनावी तैयारियों में जुटी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस चुनाव में महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती भी परिवार की घरेलू सीट से चुनावी शुरुआत के लिए तैयार हैं।

लोकसभा व विधानसभा सीटों का नक्शा बदला

जम्मू-कश्मीर में कई सीटों के भूगोल बदल गए। कई सीटें खत्म हो गईं। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जब परिसीमन हुआ तो लोकसभा व विधानसभा सीटों का नक्शा काफी कुछ बदल गया। कई सीटों के भूगोल बदल गए। कई सीटें खत्म हो गईं। कुछ नई सीटें अस्तित्व में भी आईं। अनुसूचित जाति की सीटों का रोस्टर बदला। अनुसूचित जनजाति के लिए नौ सीटें आरक्षित हो गईं। इन सारी परिस्थितियों में दिग्गजों का समीकरण भी बदला। पूर्व मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, मंत्रियों समेत विधायकों के लिए मुश्किल खड़ी हो गई और वह सुरक्षित सीट की तलाश में जुट गए। 2014 में पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गांदरबल जिले की जिस बीरवाह सीट से चुने गए थे उसका अस्तित्व खत्म हो गया। उसका हिस्सा आसपास की सीटों से जोड़ दिया गया। अब गांदरबल में कंगन और गांदरबल दो विधानसभा हलके रह गए। कंगन पहली बार अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित कर दिया गया। ऐसे में उमर को नई सीट तलाशनी पड़ रही है। हालांकि, उन्होंने चुनाव न लड़ने का एलान किया है, लेकिन उन पर पार्टी का जबर्दस्त दबाव है। उन्हें मनाने के लिए पार्टी के जिलाध्यक्षों की ओर से पत्र भी लिखा गया है।

जातीय व सामाजिक समीकरण भी प्रभावित

इतना ही नहीं परिसीमन में कई सीटों का नक्शा बदलने से जातीय व सामाजिक समीकरण भी गड़बड़ा गए हैं। आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण सीट में आरएस पुरा का शहरी इलाका व पुराने गांधीनगर विधानसभा के हिस्से को शामिल किया गया है। इससे गांधीनगर सीट से लड़ने वालों का समीकरण बिगड़ा है। कमोबेश सभी विधानसभा सीटों का भूगोल बदला है। इससे पार्टियों के परंपरागत वोट बैंक में फर्क पड़ा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि परिसीमन में नक्शा बदलने से पार्टियों की सेहत पर असर पड़ेगा। उनके वोट बैंक में भी बदलाव आया है। साथ ही नए क्षेत्र जुड़ने से भी नेताओं को आम लोगों तक पहुंच बनाने में खासी मशक्कत करनी होगी। वहीं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए पहली बार राजनीतिक आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इसके तहत गांदरबल की कंगन, अनंतनाग की कोकरनाग, बांदीपोरा की गुरेज, रियासी में गुलाबगढ़, राजोरी में बुद्धल, थन्नामंडी व राजोरी तथा पुंछ जिले में सुरनकोट व मेंढर को आरक्षित कर दिया गया। यह सभी सीटें पहले सामान्य संवर्ग से थीं। इन सभी सीटों पर चुने गए विधायकों को नए क्षेत्र तलाशने की चुनौती सामने आ गई। राजोरी व पुंछ जिले की आठ में पांच सीटें एसटी के लिए आरक्षित होने के बाद शेष तीन सीटों पर दावेदारों की संख्या खासी बढ़ गई है। ऐसे में सभी पार्टियों में अपनों से ही लड़ने का खतरा खड़ा हो गया है।

आरक्षित सीटों का रोस्टर बदलने से बढ़ेंगी सियासी दलों की मुश्किलें

अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण का रोस्टर बदलने से कई सीटों पर समीकरण गड़बड़ा गया है। परिसीमन के बाद जम्मू में मढ़, अखनूर, सुचेतगढ़ व बिश्नाह, कठुआ में कठुआ, सांबा में रामगढ़ व उधमपुर में रामनगर सीट आरक्षित कर दी गई। इसके चलते पूर्व विधायक मढ़ के पूर्व विधायक सुखनंदन चौधरी, अखनूर के पूर्व विधायक शाम लाल शर्मा व राजीव शर्मा, सुचेतगढ़ के पूर्व विधायक शाम चौधरी, बिश्नाह के पूर्व विधायक कमल अरोड़ा व , कठुआ से राजीव जसरोटिया, रामनगर के पूर्व विधायक आरएस पठानिया व हर्षदेव सिंह को नए क्षेत्र तलाशने की चुनौती है। विधानसभा चुनाव में पहली बार एसटी आरक्षण लागू हुआ है। कश्मीरी पंडितों के प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की है। पार्टी इसे भी बड़ा मुद्दा बनाएगी। वहीं जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में एक बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी अलगावादी में झुकाव रखने वाले युवा राजनीति के अखाड़े में उतरकर वर्षों पुरानी राजनीति में एक बदलाव लाना चाहते हैं। ऐसे ही नौजवान हैं उत्तरी कश्मीर के कुपवा?ा के लोलाब से इंजीनियर मुदस्सिर लोलाबी और लालपोरा लोलाब के मुदस्सिर अकबर शाह। दोनों ने लोलाब विधानसभा सीट से मैदान में उतरने का एलान किया है। उनका कहना है कि परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। इसबार युवा भी पूरे जोश में चुनाव लड़ने को तैयार दिख रहे है। पार्टियों ने भी युवाओं तरजीह देने का मन बनाया है।

बिजबेहरा से चुनाव लड़ेंगी महबूबा की बेटी इल्तिजा

राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी भी चुनावी तैयारियों में जुटी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस चुनाव में महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती भी परिवार की घरेलू सीट से चुनावी शुरुआत के लिए तैयार हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती अनंतनाग के बिजबेहरा निर्वाचन क्षेत्र से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार दिख रही हैं। राज्य की बिजबेहारा विधानसभा सीट मुफ्ती परिवार की घरेलू सीट है और ये उनका गढ़ भी माना जाता रहा है। साल 1996 में महबूबा मुफ्ती ने कांग्रेस के टिकट पर यह विधानसभा सीट जीती थी। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और साल 1999 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना हुई। उनके पहले इल्तिजा के दादा और महबूबा मुफ्ती के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद ने भी 1967 में बिजबेहरा से चुनाव जीता था। इस तरह इल्तिजा इस सीट से चुनाव लड़ने वाली अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी की सदस्य होंगी। महबूबा की 37 वर्षीय इल्तिजा का यह पहला चुनाव है, जब वो सियासत के मैदान में अपने कदम रखेंगी। तो वहीं, जानकारी के मुताबिक महबूबा मुफ्ती इस बार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। मां महबूबा मुफ्ती का सोशल मीडिया अकाउंट चलाने की इल्तिजा मुफ्ती ने करीब चार साल तक अपनी जिम्मेदारी संभाली है। जिसको लेकर पिछले साल उन्हें महबूबा मुफ्ती का मीडिया सलाहकार नियुक्त किया गया था। जब उनकी मां को 5 अगस्त, 2019 को आर्टिकल 370 के निरस्त होने के बाद हिरासत में लिया गया था, तभी इल्तिजा की राजनीतिक यात्रा तब शुरू हुई थी। इल्तिजा मुफ्ती अपनी मां महबूबा मुफ्ती को हिरासत में लिए जाने के बाद राजनीति गतिविधियों में सक्रिय दिखीं थीं। मीडिया डिबेट का हिस्सा बनकर वे घाटी में एक मुख्यधारा की नेता के तौर पर आवाज बनकर उभरीं। इल्तिजा लगातार जम्मू कश्मीर की राजनीति पर अपने विचार रखती रही हैं।

कांग्रेस ने अमित शाह पर किया पलटवार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला और नेकां के चुनाव घोषणापत्र में उल्लिखित प्रमुख मुद्दों पर उसके रुख पर सवाल उठाया। शाह की प्राथमिक चिंताओं में से एक अनुच्छेद 370 और 35ए को बहाल करने की नेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रतिज्ञा थी, जो प्रावधान जम्मू और कश्मीर को विशेष स्वायत्तता प्रदान करते थे। शाह ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी इस कदम का समर्थन करती है? अब कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि मैं अमित शाह से जानना चाहता हूं कि जब उन्होंने पीडीपी के साथ गठबंधन किया था तो क्या उन्होंने पीडीपी का घोषणापत्र पढ़ा था? उस घोषणापत्र में भारत और पाकिस्तान दोनों की मुद्राओं का इस्तेमाल करने की बात कही गई थी। उन्होंने दावा किया कि इसके पास स्वराज्य का एक लम्बा दस्तावेज था। इन सबके बावजूद आप उनके साथ मिलकर सरकार बनाते हैं और एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम तक पहुंचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उसमें आपने लिखा है कि हम अटल जी के रास्ते पर चलते हुए हुर्रियत से बातचीत स्थापित करेंगे। आपने ऐसा क्यों किया? भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने यह सवाल भी किया कि क्या कांग्रेस, कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है? इसे पहले पहली बैठक पूर्वाह्न में गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर हुई। इस बैठक में प्रभारी बनाए गए राममाधव और जी किशन रेड्डी सहित कुछ नेताओं की मैराथन बैठक हुई। इसके बाद शाम को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर शाह की उपस्थिति में जम्मू-कश्मीर कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक में उम्मीदवार बनाने मापदंडों पर भी चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में एक बार फिर से चुनावी रणनीति को जम्मू संभाग केंद्रित रखने का फैसला किया गया। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि अगर 2014 की तरह पार्टी इस संभाग में बेहतर प्रदर्शन करती है तो पहले की तरह इस चुनाव में भी पार्टी किंगमेकर की भूमिका में रहेगी। ऐसे में पार्टी ने अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू संभाग में आए बदलाव, नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस द्वारा जम्मू संभाग की दशकों से की गई अनदेखी को बड़ा मुद्दा बनाएगी। जम्मू संभाग में बेहतर प्रदर्शन के लिए पार्टी का जोर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर रहेगा। पार्टी इस संभाग के मतदाताओं को बताएगी कि अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद जम्मू को कितना लाभ मिला। इस दौरान पार्टी नागरिकता संशोधन कानून को भी मुद्दा बनाएगी।

खेड़ा ने पूछा क्या बीजेपी ने पीडीपी का घोषणा पत्र पढ़ा था

दो पूर्व उप मुख्यमंत्रियों पर भी दबाव

दो पूर्व उप मुख्यमंत्रियों डॉ. निर्मल सिंह व कवींद्र गुप्ता भी नई सीट तलाशने लगे हैं। चर्चा है कि निर्मल सिंह कठुआ की बिलावर सीट की बजाय बसोहली सीट से अपने को तैयार कर रहे हैं। कवींद्र पिछला चुनाव गांधीनगर से लड़े थे, लेकिन परिसीमन में यह सीट खत्म हो गई। अब नई सीट आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण के नाम से बनी है जिसमें गांधीनगर विस हलके का हिस्सा है। इगर मुश्किल हुई तो वह जम्मू पश्चिम से संभावनाएं तलाशने लगे। तर्क है कि उनका घर जम्मू पश्चिम में आता है। पूर्व मंत्री शाम लाल शर्मा, सुखनंदन चौधरी, अजय सडोत्रा, शाम चौधरी व राजीव जसरोटिया के क्षेत्र आरक्षित हो गए हैं। इसी प्रकार पूर्व विधायक राजीव शर्मा व आरएस पठानिया, पूर्व विधायक हर्षदेव सिंह के भी विधानसभा हलके आरक्षित हो गए हैं। अब यह सारे नेता नए ठिकाने तलाश रहे हैं। शाम लाल छंब व शहर उत्तरी, सुखनंदन चौधरी शहर उत्तरी, शाम चौधरी आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण, राजीव जसरोटिया जसरोटा, राजीव शर्मा छंब, अजय सडोत्रा शहर उत्तरी में अपने ठौर तलाश रहे हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में बारामुला संसदीय सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस के कद्दावर नेता उमर अब्दुल्ला को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में शिकस्त देकर सुर्खियों में आए इंजीनियर रशीद कश्मीर में अपना कुनबा बढ़ाने की तैयारी में है। लंगेट विधानसभा तक सिमटी उनकी पार्टी अवामी इत्तेहाद पार्टी मौजूदा विधानसभा चुनाव में अपना जनाधार बढ़ाने की कवायद में जुटी है। इसके लिए उत्तरी कश्मीर के अलावा चुनिंदा विस क्षेत्रों में भी कद्दावर नेताओं की तलाश की जा रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

लड़कियों की सुरक्षा में भी आगे आना होगा

“ इस 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियों का पासिंग प्रतिशत लड़कों से ज्यादा है। साइंस और आर्ट्स स्ट्रीम दोनों में लड़कियां आगे हैं। यह ट्रेंड कॉलेज परीक्षाओं और प्रोफेशनल एग्जाम्स में भी देखा जा रहा है। इन सब रिपोर्टों को देखने के बाद बस अब एक यही चर्चा होनी चाहिए की लड़कियों की सुरक्षा रिपोर्ट भी ऐसी आनी चाहिए जिसमें वह नीडर होकर पूरे देश में घूम सकें।

एक तरफ देश में लड़कियों पर हो रहे अत्याचार से माहौल गरमाया है तो इस बीच शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट से उनकी साख बढ़ने की खबर छाई हुई है। मंत्रालय के अनुसार, देश भर के स्कूलों में लड़कियां लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। इस 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियों का पासिंग प्रतिशत लड़कों से ज्यादा है। साइंस और आर्ट्स स्ट्रीम दोनों में लड़कियां आगे हैं। यह ट्रेंड कॉलेज परीक्षाओं और प्रोफेशनल एग्जाम्स में भी देखा जा रहा है। इन सब रिपोर्टों को देखने के बाद बस अब एक यही चर्चा होनी चाहिए की लड़कियों की सुरक्षा रिपोर्ट भी ऐसी आनी चाहिए जिसमें वह नीडर होकर पूरे देश में घूम सकें। सरकारों को चाहिए कि वह लड़कियों खासकर छोटी बच्चियों की सुरक्षा पर विशेष व्यवस्था करे। दरअसल, शिक्षा मंत्रालय की ओर से किया गया 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का विश्लेषण कई गंभीर मसलों की ओर ध्यान खींचता है, लेकिन इसका सबसे अहम पहलू है स्कूलों में लड़कियों की ओर से लिखी जा रही कामयाबी की सुनहरी कथाएं। यह लगातार दूसरा साल है जब शिक्षा मंत्रालय ने देश के 59 स्कूल बोर्डों के रिजल्ट्स का विश्लेषण करते हुए अपनी रिपोर्ट पेश की है।

समाज में और परिवार के अंदर लड़कियों को जिस पूर्वाग्रह भरी दृष्टि का सामना करना पड़ता है उसका एक ज्वलंत उदाहरण रिपोर्ट में इस तथ्य के रूप में उभरता है कि देश भर में प्राइवेट स्कूलों में लड़कों और सरकारी स्कूलों में लड़कियों की संख्या ज्यादा है। साफ है कि मां-बाप चाहते हैं बेटे ज्यादा अच्छी और महंगी शिक्षा पाएं। बेटियों को जैसे-तैसे पढ़ा देना काफी माना जाता है। दिलचस्प है कि यह पूर्वाग्रह लड़कियों के जज्बे को कमजोर करने के बजाय उसे और मजबूती दे रहा है। रिजल्ट्स का विश्लेषण बताता है कि बोर्डों, स्कूलों और विषयों के भेदों से ऊपर उठते हुए लड़कियां, लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। 10वीं और 12वीं दोनों में, चाहे स्टेट बोर्ड हों या नैशनल और चाहे प्राइवेट स्कूल हों या सरकारी, लड़कियों का पासिंग पर्सेंटेज लड़कों से काफी ज्यादा है। निश्चित रूप से यह एक हेल्दी ट्रेंड है। लड़कियों के आगे बढ़ने का मतलब उनके आत्मविश्वास का बढ़ना है, उनका ज्यादा असर्टिव होना है। ऐसी लड़कियां परिवार के अंदर या वर्कप्लेस पर अपनी सही जगह न सिर्फ चाहती हैं बल्कि उसे हासिल करती हैं। उम्मीद है कि अच्छी पढ़ाई के बाद जब ये लड़कियां पेशेवर जिंदगी शुरू करें तो वहां उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं होगा। पूरे देश के युवाओं को अब ऐसा आंदोलन चलाना चाहिए जिसमें महिलाओं की सुरक्षा व उनकी अस्मिता का मुद्दा हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ग्लोबल वार्मिंग बढ़ा रही है पेयजल संकट

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में पेयजल की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल होती जा रही है। इसका भयावह स्तर इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि आज लगभग 4.4 अरब लोग पीने के साफ पानी से वंचित हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा 135 देशों में किए गए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि वास्तविक संख्या पहले से बताए गए आंकड़ों से दोगुनी है। यह स्थिति एक चेतावनी है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वाटिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, यह स्थिति अत्यंत भयावह और अस्वीकार्य है कि इतनी बड़ी वैश्विक आबादी की पीने के साफ पानी तक पहुंच नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद दुनिया की सरकारें पेयजल की सुरक्षा और जल संचय के प्रति गंभीरता से क्यों नहीं सोच रही हैं, यह समझ से परे है।

संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि जल संकट वैश्विक स्तर पर एक गंभीर समस्या बन जाएगी और अगर अभी से पानी की बर्बादी पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और जल संरक्षण के उपाय नहीं किए गए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है, जिसकी भरपाई असंभव हो जाएगी। गौरतलब है कि पानी के मामले में सबसे बड़ा संकट आंकड़ों की कमी है, जो दर्शाता है कि वैश्विक स्तर पर सरकारी नाकामियों का खुलासा हो रहा है। यह तथ्य साबित करता है कि आज भी बहुत कम लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध है। वैज्ञानिक एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, वैश्विक आबादी के केवल आधे हिस्से के लिए ही जल गुणवत्ता से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हैं। अमीर देशों के पास भी पानी के स्पष्ट आंकड़े नहीं हैं। ऐसे में, अभावग्रस्त देशों के लोगों को साफ पानी की पहुंच मिल पाना संदेहास्पद है। यह स्थिति दिखाती है कि दुनिया अपने बुनियादी लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी पीछे है, जो अच्छे संकेत नहीं हैं। इन हालातों में, 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव कल्याण में सुधार के लिए सतत विकास लक्ष्य के तहत सभी के लिए 2030 तक सुरक्षित और किफायती पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य अब एक सपना ही प्रतीत होता है।

इंटरनेशनल ग्राउंड वाटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार, आज भी पूरी दुनिया में लगभग 270 करोड़ लोग हैं जो साल भर में करीब तीस दिन पानी की किल्लत का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यदि अगले तीन दशकों में पानी का उपभोग केवल एक प्रतिशत की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को एक बड़े जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साफ पानी की पहुंच से दूर देशों के मामले में दक्षिण एशिया शीर्ष पर है, जहां 1200 मिलियन लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं उपसहारा अफ्रीकी, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिकी देश के लोग साफ पानी से महरूम हैं। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में पानी में दूषित पदार्थों की मौजूदगी सबसे बड़ी समस्या है। गौर करने वाली बात यह है कि 2020 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में लगभग 33 प्रतिशत लोग साफ पानी से वंचित थे, जबकि वर्तमान में एशिया में लगभग 61 प्रतिशत आबादी, अफ्रीका में 25 प्रतिशत, अमेरिका में 11 प्रतिशत और यूरोप में 3 प्रतिशत आबादी साफ पानी की कमी से जूझ रही है। भारत की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 35 मिलियन से अधिक लोग साफ पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार, यह आंकड़ा 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकता है। यूनिसेफ के अनुसार, भारत में 1.96 करोड़ आवासों में जो पानी उपलब्ध है, उसमें फ्लोराइड और आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक है, जिसके कारण जलजनित रोगों पर सालाना 42 अरब रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। यह जगजाहिर है कि जल हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रभाव डालता है। जल संकट के कारण एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व बैंक का अनुमान है कि जलवायु

परिवर्तन के कारण उत्पन्न जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। इस वैश्विक समस्या के लिए मानवीय गतिविधियां, जिनमें लोभ, स्वार्थ और भौतिकवादी जीवनशैली का अहम योगदान है।

वैश्विक स्तर पर देखा जाए, तो आज भी दो अरब लोगों, यानी 26 प्रतिशत आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 436 मिलियन और भारत में 133.8 मिलियन बच्चे ऐसे हैं जिनके पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते हालात और खराब होने की आशंका है। दुनिया में हर तीन में से एक बच्चा, यानी 739 मिलियन बच्चे पानी की कमी वाले इलाकों में रह रहे हैं। जल संकट के लिए अत्यंत संवेदनशील 37 देशों की सूची में भारत भी शामिल है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक भारत में मौजूद जल का 40 प्रतिशत हिस्सा खत्म हो सकता है। यह चिंता का विषय है।

लेटरल एंट्री के फायदे

डॉ रवीन्द्र कुमार

सरकार में एंट्री के अनेक तरीके और रास्ते हैं। कोई लिखित परीक्षा देता है, कोई इंटरव्यू देता है। कोई वाक-इन-इंटरव्यू देता है कोई सीधा नौकरी में ही वाक-इन करता है। लेटरल एंट्री के कई फायदे हैं। इसे वापिस लेने के फायदे कहीं ज्यादा होंगे तभी न वापिस लिया। अब आप सोचते रहें कि नोटफिकेशन जारी करना मास्टर स्ट्रोक था या वापिस लेना...वांदा नहीं। आप चाहे तो कह सकते हैं कि दोनों ही अपने आप में मास्टर स्ट्रोक हैं। लाभ कितने हैं ये तो आपको पता ही हैं, नहीं पता है तो किसी भी उस बंदे या उसके परिवार से पूछ लो जिनको इस के थ्रू एंट्री मिली है। देते रहो आप प्रिलिम, मेन, मेडिकल और इंटरव्यू। आप लेते रहो बेसमेंट में कोचिंग, मरते रहो बाढ़ में। न रिज़र्वेशन का झंझट, न पेपर लीक करने की चिंता। लेटरल वाले तो सीधे दसवें फ्लोर पर अफ़सरी शुरू कर देते हैं। बेसमेंट वालों को वहाँ पहुँचने में 20 साल लगते हैं। नो बेसमेंट प्लीज़ ! वी आर लेटरल एंट्री।

आप सोचो इससे कितना कीमती वक़्त बचता है। ये क्या पेपर में वही घिसा-पिटा एड, लाखों रुपये का खर्चा। क्या ये हमारे गरीब देश को शोभा देता है। फिर बोरे भर-भर कर आवेदन आएंगे। उनकी छंटनी करो। पोस्टल ऑर्डर अलग करो, उन्हे समय रहते जमा करो, लिखित परीक्षा, पेपर सेट, पेपर लीक, इंटरव्यू, मेडिकल, दोनों पार्टी पागल हो जाएँ। लेटरल

आप चाहे तो कह सकते हैं कि दोनों ही अपने आप में मास्टर स्ट्रोक हैं। लाभ कितने हैं ये तो आपको पता ही हैं, नहीं पता है तो किसी भी उस बंदे या उसके परिवार से पूछ लो जिनको इस के थ्रू एंट्री मिली है। देते रहो आप प्रिलिम, मेन, मेडिकल और इंटरव्यू। आप लेते रहो बेसमेंट में कोचिंग, मरते रहो बाढ़ में। न रिज़र्वेशन का झंझट, न पेपर लीक करने की चिंता। लेटरल वाले तो सीधे दसवें फ्लोर पर अफ़सरी शुरू कर देते हैं। बेसमेंट वालों को वहाँ पहुँचने में 20 साल लगते हैं। नो बेसमेंट प्लीज़ ! वी आर लेटरल एंट्री।

एंट्री में फायदा ये है कि ये 'सिंगल विंडो' की तरह है। कहीं और जाने का झंझट ही नहीं। मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरों न कोय। न सिलेबस, न किताब, न नोट्स, न 'ज्ञान' पेलने वाले स्वनाम धन्य 'प्रोफेसर'। वैसे भी पोथी पढ़-पढ़ जग मुआ.... ! वैसे एक बात है लेटरल एंट्री पर इतनी हू-हा इतना बावेला क्यों ? ये लेटरल एंट्री कहां नहीं है ? वकील का बेटा वकील बनता है, बनता है कि नहीं। डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है। भैया ! बनी बनाई लाइब्रेरी, सजा सजाया क्लीनिक मिल जाता है। बनी-बनाई गुडविल मिलती है, रेडीमेड पेशेंट / मुवक्किल मिलते हैं।

और जीने को क्या चाहिए? दिल्ली की बंगाली मार्किट में एक डॉ गांधी का क्लीनिक होता था। डॉ गांधी के बरसों बाद तक जो भी डॉ उस क्लीनिक में बैठता वो डॉ गांधी ही कहलाता था। अत: लेटरल एंट्री कोई गंदी बात नहीं है। इंडस्ट्रियलिस्ट का बच्चा सीधे डाइरेक्टर से शुरू करता है न कि अप्रेंटिस या मेनेजमेंट ट्रेनी से। सरकार किसी की भी हो गरीबपरवर होती है न भी हो तो कहने में क्या हर्ज़ है। दरअसल सरकारों का बहुत सारा टाइम, बहुत सारा बजट और श्रम ये प्रूव करने में लगता है कि वे गरीबपरवर हैं और अब तक की जितनी सरकारें आईं उन सबमें सबसे बड़ी गरीबपरवर है। कुर्सीनशीन हमेशा यह भी कहते हैं कि हम विपक्ष की तरह पत्थर दिल नहीं। हमारा दिल मोम का है। विपक्ष ने इस तरह की जितनी भर्तियाँ की वो अपने चहेतों की, की हैं जबकि हमने सब विषय के एक्सपर्ट लिए हैं। वो जानते हैं हमें क्या चाहिए इसके वो एक्सपर्ट हैं। नोट ही ऐसा लिख कर लाते हैं और फिर हमें ज्यादा सिर नहीं खपाना पड़ता। बल्कि वो सिर हिलाने मात्र से समझ लेते हैं क्या चाहिए...वैसा नोट आ जाता है। पढ़ने की भी ज़रूरत नहीं। हमें तो बस चिड़ियाँ बिठानी होती है, बोले तो 'सही' करना होता है। तभी न कहते हैं 'किंग कैन डू नो रॉन्ग'।

शहद और नींबू

त्वचा के लिए शहद और नींबू के फायदे भी कई हैं। स्किन के लिए शहद और नींबू का उपयोग कई त्वचा समस्याओं से बचाव और उनके प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है। इस मास्क को तैयार करने के लिए आपको 1 टेबलस्पून शहद और 1/2 टेबलस्पून नींबू का रस चाहिए होगा। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले शहद और नींबू के रस को अच्छी तरह से मिक्स करके अपने चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा।

शहद और एलोवेरा

शहद और एलोवेरा जेल दोनों ऐसी चीजें हैं, जो आप आसानी से घर पर ही ढूंढ सकते हैं। इन दोनों चीजों को बराबर मात्रा में लेकर इसका पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के बाद धो लें। यह मास्क त्वचा को नमी प्रदान करता है, जिससे चेहरा खिल उठेगा।

शहद और हल्दी

खूबसूरत स्किन पाने के लिए बस आपको एक चुटकी हल्दी लेनी है। ध्यान रहे कि हल्दी घर की पीसी हुई हो। इसके अलावा आपको एक चम्मच शहद लेना है। अब इसे अच्छे से मिला लेना है। अच्छे से मिलाने के बाद अपने चेहरे पर लगा लें और 5 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर धो लें इससे आपको इंस्टेंट ग्लो मिलेगा। ध्यान रहे कि 5 मिनट से ज्यादा नहीं छोड़ना है वरना हल्दी का रंग काफी अधिक आपके चेहरे पर आ जाएगा और चेहरा पीला लगने लगेगा।

शहद और केला

केले को शहद में मिक्स करें। फिर मास्क तैयार होने के बाद इसे अपने चेहरे पर लगाएं। अब तकरीबन बीस मिनट के बाद चेहरा धो लें। इससे भी आपका चेहरा खिल उठेगा। केला और शहद त्वचा के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं, इसकी वजह यह है कि दोनों ही एक नेचुरल प्रोडक्ट्स है जो चेहरे पर इस्तेमाल करने से चेहरे को अंदरूनी तौर पर साफ करते हैं।

शहद और ओटमील

1 टेबलस्पून शहद और 1 टेबलस्पून ओटमील के इस्तेमाल से आप इस मास्क को तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ओटमील को पानी में उबालें और ठंडा होने दें। इसमें शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे अपने चेहरे पर इस्तेमाल करें। ये भी आपके चेहरे को दमका देगा। ओटमील और शहद एक्सफोलिएटर बनाना बहुत आसान है और इसमें केवल कुछ ही सामग्री लगती है।

चेहरे को दमकाएंगे शहद से बनें ये फेस मास्क

हर कोई ये चाहता है कि उसका चेहरा हमेशा दमकता रहे, लेकिन लगातार बढ़ते प्रदूषण के चलते ग्लोइंग त्वचा पाना काफी मुश्किल हो जाता है। चमकते चेहरे के लिए अक्सर महिलाएं पार्लर जाकर तमाम तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेती हैं। पर, ये सभी ट्रीटमेंट कुछ दिनों के लिए ही कारगर रहते हैं। ऐसे में अगर आप पार्लर को साइड करके नियमित रूप से घरेलू नुस्खे अपनाएंगी, तो आपकी त्वचा खिल उठेगी। शहद में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो चेहरे के लिए काफी लाभदायक हैं। अगर इसे सही से इस्तेमाल किया जाए तो ये आपकी कई परेशानियों को हल कर सकता है। कुछ चीजों का इस्तेमाल करके आप घर पर ही शहद से बना मास्क तैयार कर सकती हैं।

शहद और दही

शहद और दही के इस्तेमाल से भी आप इस मास्क को तैयार कर सकते हैं। इसके लिए दही और शहद को अच्छी तरह मिक्स करके इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के बाद धो लें। यह मास्क त्वचा को हाइड्रेट करता है, जिससे त्वचा खिल उठेगी। इसे लगाने से स्किन हमेशा मुलायम बनी रहती है। दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, जिसमें एक एंजाइम होता है जो त्वचा के अंदर पाये जाने वाले मेलेनिन को बढ़ा देता है, जिससे त्वचा का रंग गोरा हो जाता है। दही और शहद के मिश्रण में जिंक की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे त्वचा पर पड़ने वाले लाल धब्बे साफ हो जाते हैं।

हंसना मना है

सत्संग चल रहा था, पंडित जी बता रहे थे जो इस जन्म में नर है वो अगले जन्म में भी, नर ही बनेगा और जो नारी है वो अगले जन्म में भी नारी ही बनेगी! एक बुढ़िया उठकर जाने लगी तो पंडित जी ने पूछा क्या हुआ? बुढ़िया बोली पंडित जी जब अगले जन्म में भी रोटियां ही बनानी है तो सत्संग सुनने का क्या फायदा?

गर्ल- तुम क्या कर रहे हो? बोय- मच्छर मार रहा हुं, गर्ल- कितने मारे? बोय- 5 मारे, 3 फिमेल ओर 2 मेल, गर्ल- कैसे पता चला, मेल है या फिमेल, बोय- 3 आईने के पास बैठे थे ओर 2 बियर के पास।

पति अपनी बीवी को हॉस्पिटल ले गया और नर्स से कहा- अगर लड़का हो तो कहना कि टमाटर हुआ है। अगर लड़की हो तो कहना प्याज हुई है..! इत्तेफाक से लड़का लड़की दोनों जुड़वा हो जाते हैं। और नर्स कन्फ्यूजन में बाहर आकर बोली.. सर बधाई हो 'सलाद' हुआ है..!

सैनिकों की पत्नियां खुद पतियों की बहादुरी का बखान कर रही थीं। एक बोली-'मेरे पति ने हाल ही के युद्ध में बहुत बहादुरी का परिचय दिया था, उन्होंने एक दुश्मन की टांग काट ली थी।' 'पर टांग क्यों? सिर क्यों नहीं?' दूसरी महिला ने पूछा। 'उसका सिर तो पहले से कटा हुआ था।' पत्नी ने बताया।

कहानी | मुट्ठी भर सफल लोग

हर साल गर्मी की छुट्टियों में हरिराम अपने दोस्तों के साथ ऋषिकेश पहुंचा। गाइड उन्हें एक फेमस माउंटेनियरिंग स्पॉट पर ले गया। किसी ने सोचा नहीं था कि यहां इतनी भीड़ होगी, हर तरफ लोग ही लोग नजर आ रहे थे। एक दोस्त बोला- यार यहां तो शहर जैसी भीड़ है, यहां चढ़ाई करने में क्या मजा? हरिराम बोला- क्या कर सकते हैं, चलो इसी का मजा उठाते हैं। सभी दोस्त पहाड़ी की चोटी पर पहुंच गए। वहां पर पहले से ही लोगों का तांता लगा हुआ था। चलो अब इसी भीड़ में दो-चार घंटे कैम्पिंग करते हैं और फिर वापस चलते हैं। तभी हरिराम ने एक चोटी की तरफ इशारा करते हुए कहा - ज़रा उस तरफ भी तो देखो, वहां तो बस मुट्ठी भर लोग ही दिख रहे हैं, कितना मजा आ रहा होगा, क्यों न हम वहां चलें। एक दोस्त बोला- अरे वहां जाना सबके बस की बात नहीं है, उस पहाड़ी के बारे में मैंने सुना है, वहां का रास्ता बड़ा मुश्किल है और कुछ लकी लोग ही वहां तक पहुंच पाते हैं। बगल में खड़े कुछ लोगों ने भी मजाक उड़ाते हुए कहा - भाई अगर वहां जाना इतना ही आसान होता तो हम सब यहां झक नहीं मार रहे होते! लेकिन हरिराम ने किसी की बात नहीं सुनी और अकेला ही चोटी की तरफ बढ़ चला और तीन घंटे बाद वह उस पहाड़ी के शिखर पर था। वहां पहुंचने पर पहले से मौजूद लोगों ने उसका स्वागत किया और उसे प्रोत्साहित किया। हरिराम भी वहां पहुंच कर बहुत खुश था अब वह शांति से प्रकृति की खूबसूरती का आनंद ले सकता था। जाते-जाते हरिराम ने बाकी लोगों से पूछा - एक बात बताइये? यहां पहुंचना इतना मुश्किल तो नहीं था, मेरे विचार से तो जो उस भीड़-भाड़ वाली चोटी तक पहुंच सकता है वह अगर थोड़ी सी और मेहनत करे तो इस चोटी को भी छू सकता है, फिर ऐसा क्यों है कि वहां सैकड़ों लोगों की भीड़ है और यहां बस मुट्ठी भर लोग? वहां मौजूद एक शिक्षक नवनीत बोला- क्योंकि ज्यादातर लोग बस उसी में खुश हो जाते हैं जो उन्हें आसानी से मिल जाता। वे सोचते ही नहीं कि उनके अन्दर इससे कहीं ज्यादा पाने का इरादा है, और जो थोड़ा पाकर खुश नहीं भी होते वे कुछ अधिक पाने के लिए खतरा नहीं उठाना चाहते। वे डरते हैं कि कहीं ज्यादा के चक्कर में जो हाथ में है वो भी ना चला जाए, जबकि हकीकत ये है कि अगली चोटी या अगली मंजिल पाने के लिए बस जरा सी कोशिश की जरुरत पड़ती है! पर साहस ना दिखा पाने के कारण अधिकतर लोग पूरी लाइफ बस भीड़ का हिस्सा ही बन कर रह जाते हैं, और साहस दिखाने वाली उन मुट्ठी भर लोगों को लकी बता कर खुद को तसल्ली देते रहते हैं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

सिंह धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

धनु जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

पांच साल के अंतराल के बाद वापसी कर रही हैं अनीता

अनीता हसनंदानी रेड्डी टीवी की दुनिया की बड़ी अभिनेत्री हैं। टीवी पर लोकप्रियता हासिल करने के बाद उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया। फिल्मों में भी उनके काम को पसंद किया गया, लेकिन वह टीवी जितनी लोकप्रियता फिल्मों में नहीं हासिल कर पाईं। अब पांच साल के लंबे अंतराल के बाद अभिनेत्री एक नए शो सुमन इंदौरी के साथ फिर से टीवी पर वापसी करने वाली हैं। इस दौरान उन्होंने काम और परिवार को लेकर बात की है। मातृत्व की वजह से उन्होंने पांच साल तक काम से दूरी बना ली थी। अब वह एक बार फिर वापसी करने को तैयार हैं। हालांकि, पिछले साल वो कुछ समय के लिए हम रहें या ना रहें में नजर आई थीं, लेकिन वह इस शो को पूरी तरह से वापसी के तौर पर देखती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि काम पर लौटना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने अपने आप को मानसिक रूप से तैयार किया है, ताकि वो अपने चार साल के बेटे आरव को घर पर छोड़ कर काम पर आ सकें। अभिनेत्री ने कहा, एक मां के तौर पर आरव को छोड़ कर काम पर आना मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन मैं इससे निपट रही हूं। मुझे अपना काम बहुत पसंद है और मैं शूटिंग को काफी मिस कर रही थी, इसलिए उत्साह के साथ-साथ एक मां होने के नाते थोड़ा-बहुत अपराधबोध भी महसूस कर रही हूं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि बतौर माता-पिता जरूरतों और जुनून पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब वो काम कर रही होती हैं, तो उनके पिता रोहित बच्चे के साथ समय बिताने के लिए छुट्टी ले लेते हैं। अभिनेत्री ने कहा दोनों पति-पत्नी एक ऐसा संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे दोनों काम के प्रति अपने जुनून को भी पूरा कर सकें और बच्चे की देखभाल भी कर सकें।

अबू धाबी में रंग जमाएंगे शाहरुख खान-करन जौहर

आईफा अवॉर्ड्स 2024 की करेंगे मेजबानी

शाहरुख खान और फिल्म निर्माता-निर्माता करण जौहर एक साथ मिलकर इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईफा) 2024 की मेजबानी करेंगे। यह पुरस्कार समारोह 28 सितंबर को अबू धाबी के यास द्वीप में होगा। पुरस्कार समारोह में शाहिद कपूर समेत बॉलीवुड के कई नामचीन कलाकार अपने शानदार प्रदर्शन से मंच पर चार चांद लगा देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार 2024 तीन दिवसीय आयोजन होगा, जो 27 सितंबर से 29 सितंबर तक चलेगा। पहला दिन यानी 27 सितंबर आईफा उत्सव का दिन है, जिसमें चार दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग जश्न मनाएंगे। दूसरा दिन यानी 28 सितंबर आइफा अवॉर्ड्स की रात है। उत्सव का आखिरी दिन, 29 सितंबर, संगीत उद्योग के लिए आईफा रॉक्स को समर्पित है।

शाहरुख खान ने आईफा अवार्ड्स के 24वें संस्करण की मेजबानी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, आईफा भारतीय सिनेमा का उत्सव है, जिसकी गूंज दुनिया भर में सुनाई देती है और वर्षों से इसके सफर का हिस्सा बनना अद्भुत रहा है। मैं आईफा की ऊर्जा, जुनून और भव्यता को एक बार फिर दिखाने करने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि हम इस सितंबर में भारतीय सिनेमा के अविस्मरणीय उत्सव के लिए तैयार हैं। करण जौहर ने आईफा के 24वें संस्करण की मेजबानी के लिए अपनी वापसी की घोषणा करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, दो दशकों से अधिक समय से आईफा मेरी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मेरे पिता, अपने व्यापक उद्योग अनुभव और दृष्टि के साथ शुरुआती वर्षों में आईफा के सलाहकार बोर्ड के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे, जिन्होंने भारतीय सिनेमा का जश्न मनाने के इसके मिशन में योगदान दिया।

सनी देओल की बॉर्डर 2 में हुई वरुण धवन की एंट्री

वरुण धवन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर प्रशंसकों को चौंका दिया है। अभिनेता आगामी फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल के साथ स्क्रीन साझा करने वाले हैं। बता दें कि बीते दिनों अभिनेता सनी देओल ने अपनी फिल्म 'बॉर्डर' के सीक्वल का ऐलान किया था। फिल्म को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है। उनकी इस उत्सुकता को अब वरुण धवन ने फिल्म से जुड़ने का ऐलान करते हुए बढ़ा दिया है।

27 साल पहले सितारों से सजी फिल्म 'बॉर्डर' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। देशभक्ति की भावना से जुड़ी होने के कारण फिल्म आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। इतने सालों के बाद जब निर्माताओं ने इसके सीक्वल की घोषणा की तो सभी के चेहरे खिल उठे। कुछ दिनों पहले निर्माताओं ने इसके रिलीज की तारीख बताते हुए इसकी आधिकारिक घोषणा की थी।

अभिनेता वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम पर 'बॉर्डर 2' का एक छोटा सा वीडियो साझा करते हुए खुलासा किया कि अब वह इसका हिस्सा बन चुके हैं। वीडियो की शुरुआत 'बॉर्डर' फिल्म के मार्मिक गीत 'संदेशे आते हैं' के बोल से होता है। वीडियो का अंत वरुण के नाम से होता है। इस बीच फिल्म के कुछ दृश्यों की तस्वीर भी दिखती है। वीडियो में वरुण को यह डायलॉग बोलते हुए सुना जा सकता है, 'दुश्मन की हर गोली से जय हिंद बोलकर टकराता हूं, जब धरती मां बुलाती है सब छोड़ कर आता हूं।' वीडियो के कैप्शन में वरुण ने 'बॉर्डर' फिल्म से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए लिखा, 'मैं चौथी क्लास का बच्चा था, जब मैं चंदन सिनेमा गया और 'बॉर्डर' देखी इसने मुझ पर बहुत गहरा प्रभाव डाला। मुझे अभी भी याद है कि हॉल में हम सभी ने राष्ट्रीय गर्व की भावना महसूस की थी। मैंने अपने सशस्त्र बलों को आदर्श मानना शुरू कर दिया और आज भी मैं उन्हें सलाम करता हूं कि वे कैसे हमारी रक्षा करते हैं और हमें सुरक्षित रखते हैं, चाहे वह हमारी सीमाओं पर हो या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान।

अजब-गजब | भारत का वो रेलवे स्टेशन जिसका 28 अक्षरों से बना है नाम

इस रेलवे स्टेशन का नाम पढ़ने के चक्कर में छूट जाएगी आपकी ट्रेन

भारत में रेलवे का अनुभव हर किसी के लिए बेहद खास होता है। यहां रेलवे सिर्फ एक साधन मात्र नहीं है, बल्कि हर इंसान के लिए लाइफलाइन की तरह है, जो अमीर-गरीब को अपने गणतव्य तक पहुंचाने के काम आता है। ट्रेन से सफर करते वक्त कई रेलवे स्टेशन बीच में पड़ते हैं। कुछ छोटे, कुछ बड़े, जिनका नाम लोगों को याद हो जाता है। पर भारत में एक ऐसा रेलवे स्टेशन भी है, जिसका नाम याद करने में आपको बहुत वक्त लग जाएगा। अगर आप इस स्टेशन पर नए हैं, पहली बार नाम पढ़ रहे हैं, तो यकीन मानिए, इसका पूरा और सही-सही नाम पढ़ने में आपको इतना वक्त लग जाएगा कि आपकी ट्रेन ही छूट जाएगी। वो इसलिए क्योंकि इस स्टेशन का नाम 28 अक्षरों से मिलकर बना है।

अंग्रेजी में 26 अक्षर होते हैं, पर आपको हैरानी होगी कि इस रेलवे स्टेशन के नाम में 28 अक्षर हैं। ये रेलवे स्टेशन आंध्र प्रदेश में जो तमिलनाडु के बॉर्डर के बिल्कुल करीब है। ये स्टेशन दक्षिण रेलवे ज़ोन में आता है। अब चलिए बिना पहेलियां बुझाए आपको इस स्टेशन का नाम बताते हैं। इस रेलवे स्टेशन का नाम है वेंकटनरसिम्हाराजुवरिपेटा । इस स्टेशन का नाम पढ़ पाना काफी टेढ़ी खीर होता है।

इस वजह से लोग इस स्टेशन को शॉर्ट में वी एन राजुवारीपेटा बोलते हैं। बहुत से लोग तो इसे टंग ट्विस्टर वाली पहेलियों की तरह एक दूसरे से उच्चारण करने के लिए कहते हैं, मगर साथ में इस पूरे नाम को पढ़ना आसान नहीं होता। ये स्टेशन एक फ्लैग स्टेशन है, यानी यहां पर ट्रेन तभी रुकती है जब सिग्नल होता है, यानी गार्ड या स्टेशन मास्टर द्वारा लाल झंडा दिखाकर ट्रेन को रुकने का इशारा मिलता है।

वैसे ये अकेला इतने बड़े नाम वाला स्टेशन नहीं है। भारतीय रेलवे ने चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर पुरात्वी थलाइवर डॉ। एम जी रामचंद्रन सेंट्रल रेलवे स्टेशन नाम रख दिया था। हालांकि, ये नाम टुकड़ों में बंटा है, इस वजह से याद कर पाना आसान है। अब जब स्टेशनों की बात हो रही है तो जान लीजिए कि भारतीय रेल में 'हॉल्ट' किस प्रकार के स्टेशन होते हैं और ये जंक्शन से कैसे अलग होते हैं!

पिस्तौल भी नहीं काम करती थी यूपी के इस बाबा के सामने, कोई पता नहीं लगा सका इनकी उम्र का

उत्तर प्रदेश का प्रयागराज जिला वैसे तो तपस्वियों की भूमि रहा है। इस तपोस्थली पर अनेकों सिद्ध पुरुष हुए। उनमें से एक थे देवराहा बाबा जिनका आश्रम उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सरयू नदी के तट पर स्थित है लेकिन वह प्रयागराज से खास लगाव रखते थे। देवरहा बाबा रहस्य बनकर ही इस दुनिया से चले गए जिनकी उम्र ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिक भी नहीं बता पाए थे। आज भी उनका आश्रम भारत सहित देश-विदेश में फैला हुआ है। उत्तर प्रदेश में ही विंध्याचल देवरिया प्रयागराज एवं वृंदावन में देवरहा बाबा के विशाल आश्रम मौजूद हैं। प्रयागराज से उनका खास लगाव हमेशा रहा और वह प्रत्येक वर्ष माघ मेला और कुंभ के दौरान मकर संक्रांति के पहले ही गंगा के किनारे अपना आश्रम लगते थे। जहां वह 10 फीट ऊंचे मचान पर बैठकर तपस्या करते थे। इस 10 फीट ऊंचाई में आधा झोपड़ी हुआ करता था और आधा ऊपर खुला रहता था।

देवरहा बाबा के शिष्य स्वामी रामेश्वर प्रपन्नाचार्य बताते हैं कि हमारे गुरु देवराहा बाबा एक रहस्य बनकर रह गए। आज तक उनकी उम्र सही कोई नहीं बता पाया था। बताते हैं कि 1976 में महाकुंभ के दौरान ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के कुछ वैज्ञानिक मेले में आए हुए थे। उस दौरान इलाहाबाद विवि के बॉटनी विभाग के प्रोफेसर डॉ परिहर के सामने ही वैज्ञानिकों ने उनकी उम्र बताने के लिए उन पर कई इंस्ट्रूमेंट का प्रयोग किया। उनके सैंपल लिए लेकिन उनका इंस्ट्रूमेंट बाबा के ऊपर काम नहीं किया। बताते हैं कि देवराहा बाबा ने कह दिया था कि आपका उपकरण हमारे परिसर के बाहर काम करेगा। हमारा शरीर ईश्वर के द्वारा दी हुया है और उन्हीं के द्वारा वापस भी लिया जाएगा। प्रपन्नाचार्य बताते हैं कि उस समय वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विद्यार्थी थे। उन्होंने देखा कि वैज्ञानिकों का कैमरा और अन्य उपकरण ब्लैंक हो गया था। ऐसे ही देवरहा बाबा के शिष्य रहे शैलजा कांत मिश्रा जो कि वर्तमान में मथुरा प्राधिकरण के उपाध्यक्ष हैं वह भी बाबा के सामने पिस्टल लगाकर आए। बाबा ने पूछा यह लौह यंत्र क्या है। शैलजा ने बताया कि पिस्टल है जो हमारी सुरक्षा के लिए है। इस पर उन्होंने बाबा के कहने पर पिस्तौल से गोली चलानी चाही लेकिन उनकी पिस्तौल की सभी गोलियां मिस हो गईं और पिस्तौल चली ही नहीं। बाबा ने बताया कि आपका पिस्टल हमारे परिसर के बाहर ही काम करेगा।

पीएम मोदी किसी की सुनते नहीं : राहुल

» बोले- मुझे ऐसे व्यक्ति से समस्या है जो मान लेता है कि वह ही सही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में अपने दौरे के दौरान कई लोगों से मुलाकात की। उन्हीं लोगों में से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा प्रधानमंत्री के साथ मेरी समस्या यह है कि वह किसी की बात नहीं सुनते हैं। मुझे ऐसे किसी भी व्यक्ति से समस्या है जो शुरू से मान लेता है कि वह सही हैं, यहां तक कि अगर उसे कोई कुछ दिखा रहा है कि वह गलत है, तो वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसे में इस प्रकार का व्यक्ति हमेशा कोई न कोई समस्या पैदा करता है। उनका कहना था कि यह असुरक्षा से आता है, यह ताकत से नहीं आता है। यह कमजोरी से आता है।

कांग्रेस नेता ने जम्मू-कश्मीर में आगाम विधानसभा चुनाव के बारे में भी बात की और छात्राओं से कहा कि यह भारतीय इतिहास में पहली बार है कि किसी प्रदेश से उसका पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया गया है। जिस तरह से यह किया गया, वह हमें पसंद नहीं आया। लेकिन, अब हमारे लिए सिद्धांत राज्य का दर्जा वापस पाना है और इसमें जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों को प्रतिनिधित्व शामिल है। राहुल ने कहा कि इस प्रदेश को दिल्ली से चलाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग उठाई और कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश को दिल्ली से चलाने का कोई मतलब नहीं है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि वह शादी करने की योजना नहीं बना रहे हैं, लेकिन अगर होती है तो ठीक है, हालांकि वह 20-30 वर्षों से शादी के दबाव से बाहर निकल चुके हैं। राहुल ने पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर की यात्रा के दौरान कश्मीरी छात्राओं के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कश्मीरी छात्राओं के साथ बातचीत की। इसमें जब कश्मीर की छात्राओं ने उनसे शादी की योजना के बारे में सवाल किया तो कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं शादी की योजना नहीं बना रहा हूं, लेकिन अगर होती है तो ठीक है। राहुल ने उन लड़कियों से यह भी कहा कि वह अपनी शादी में उन्हें आमंत्रित करेंगे।

शादी की योजना नहीं बना रहा हूं, लेकिन होती है तो ठीक

कंगना के बयान पर कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा अपनी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के किसानों से जुड़े विवादित बयान से असहमति जताए जाने के कहा कि यदि सत्तारूढ़ दल अपनी सांसद की टिप्पणियों से असहमत है तो उन्हें पार्टी से बाहर करे। कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि सरकार को कंगना के इस दावे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए कि अमेरिका और चीन देश के अंतर अस्थरिता की साजिश कर रहे थे। भाजपा ने असहमति जताते हुए किनारा कर लिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उग्रवी हिंसा फैला रहे थे और वहां बलात्कार तथा हत्याएं हो रही थीं। भाजपा के केंद्रीय मीडिया विभाग की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, पार्टी ने मंडी की सांसद को हिदायत भी दी कि वह इस प्रकार के कोई बयान भविष्य में न दें। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि किसी नेता ने आज तक अन्नदाताओं के खिलाफ उन शब्दों का इस्तेमाल नहीं था जो कंगना रनौत ने किए हैं। उनका कहना था कि कंगना के बयान पर आक्रोश पैदा हुआ तो भाजपा से उसका आधिकारिक रुख के बारे में पूछा गया। हरियाणा का चुनाव का नजदीक है और पता है कि भाजपा हारने जा रही है। ऐसे में भाजपा की तरफ से एक बयान आया जिसमें कंगना की टिप्पणियों से असहमति जताई गई।

जन विरोधी कानूनी संशोधन वापस ले सरकार : जयराम रमेश

कांग्रेस ने देश में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के लिए केंद्र सरकार पर नीतिगत खामियों का आरोप लगाया और कहा कि इस सरकार की कार्यप्रणाली स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार करना है कि वायु प्रदूषण से जुड़ी मृत्यु दर की कोई समस्या है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्वतंत्रता बहाल की जानी चाहिए और पिछले 10 वर्षों में किए गए जन-विरोधी पर्यावरण कानून संशोधनों को वापस लिया जाना चाहिए। रमेश ने एक बयान में कहा कि नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री के शासनकाल की ऐसी त्रासदियों में से एक जिनके बारे में कम लोग जानते हैं और वो राष्ट्रीय स्तर पर तेज़ी से बिगड़ती वायु गुणवत्ता और नीतिगत खामियां हैं।" उनके मुताबिक, जुलाई की शुरुआत में, प्रतिष्ठित जर्नल 'लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला कि भारत में होने वाली मौतों में से 7.2 प्रतिशत वायु प्रदूषण से संबंधित हैं तथा केवल के 10 शहरों में हर साल लगभग 34,000 मौत हो रही हैं। रमेश का कहना है कि जुलाई के मध्य में 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' के एक अध्ययन से पता चला कि प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सरकार ग़लत ढंग से हस्तक्षेप कर रही है तथा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) औद्योगिक, वाहन और बायोमास उत्सर्जन को नियंत्रित करने के बजाय सड़क की धूल को कम करने पर केंद्रित है। उन्होंने आरोप लगाया, "इस सरकार की कार्यप्रणाली स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार करना है कि वायु प्रदूषण से जुड़ी मृत्यु दर की कोई समस्या है। सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए लक्षित कोष में कटौती कर रही है। वह आवंटित संसाधनों का उपयोग करने में विफल है।

हरमनप्रीत को मिली टी20 विश्वकप टीम की कमान

» भारतीय टीम का एलान मंधाना टीम की उपकप्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। मंगलवार को बीसीसीआई ने टीम की घोषणा की। हरमनप्रीत कौर टीम की अगुआई करेंगी। वहीं, स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। महिला चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम का चयन किया। महिला टी20 विश्व कप इस साल संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट का यह नौवां संस्करण तीन से 20 अक्तूबर तक दुबई और शारजाह में खेला जाएगा।

भारत को ग्रूप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, डायलन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन। (फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन), ट्रैवलिंग रिजर्व- उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, साइमा ठाकुर। नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व- राघवी बिष्ट, प्रिया मिश्रा।

बीजेपी के साथ जाने का सवाल ही नहीं : दुष्यंत

» हरियाणा में जजपा व भाजपा में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। हरियाणा में विधान सभा चुनावों की घोषणा के बाद से वहां की सियासी दलों में एक दूसरे वार-पलटवार शुरू हो गया है। इसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम और जेजेपी के अध्यक्ष दुष्यंत चौटाला के बयान दोबारा बीजेपी के साथ नहीं जाऊंगा पर पलटवार करते हुए कहा, उन्हें किसने आमंत्रित किया?

मनोहर लाल खट्टर ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाएगी। इससे पहले दुष्यंत नेकहा था कि वह गारंटी देते हैं अब दुबारा भाजपा में नहीं जाएंगे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मैं रिकॉर्ड पर आपको गारंटी दे सकता हूं कि मैं फिर से बीजेपी के साथ नहीं जाऊंगा। लोकसभा इलेक्शन 2024 के बारे में पूछे जाने पर चौटाला ने कहा, मैं इसे अब संकट के रूप में नहीं लेता, जो हुआ, सो हुआ, मैं इसे अब अवसर के रूप में देखता हूं, पिछली बार भी हमारी पार्टी किंगमेकर थी, आप आने वाले दिनों को भी देख सकते हैं, जेजेपी राज्य (हरियाणा) की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टी होगी।

किंगमेकर होगी जेजेपी : पूर्व डिप्टी सीएम

उन्हें कौन बुला रहा है : खट्टर

मनोहर लाल खट्टर ने कहा, उन्हें बुला कौन रहा है? (दुष्यंत चौटाला)?... बीजेपी हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाएगी और नया रिकॉर्ड सेट करेगी। हम हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की लीडरशिप में चुनाव जीतेंगे।

जनता के बीच खोलेंगे बीजेपी की पोल : संदीप

» एक सितंबर से दिल्ली में आपका विधायक-आपके द्वार अभियान होगा शुरू

» विधायक करेंगे मंडल-बूथ स्तर पर सभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता में आम आदमी पार्टी की बैठक हुई। आप ने निर्णय किया हे कि वी भाजपा सरकार की पोल जनता के बीच खोलेंगे। बैठक में देश की मौजूदा राजनीति के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद पार्टी ने एक सितंबर से दिल्ली में आपका विधायक-आपके द्वार अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान के साथ मनीष सिसोदिया की पदयात्रा भी जारी रहेगी।

बैठक में सांसद संजय सिंह, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, आतिशी, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन सहित अन्य मौजूद रहे। बैठक के बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि आपके विधायक-आपके द्वार कैंपेन में पार्टी के विधायक मंडल व बूथ स्तर पर सभाएं कर अपना काम बताएंगे। साथ ही भाजपा की साजिश को भी उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया की पदयात्रा का काफी सकारात्मक असर पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी के पांच पार्षदों को भाजपा में शामिल होने के सवाल पर डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि हमारी ताकत जनता से है। अगर भाजपा चुनाव हार जाती है तो फिर वो पार्टियों के नेताओं को तोड़ने की कोशिश करती है। आप के नेता पार्टी के साथ पूरी मजबूती के साथ जड़े हुए हैं।

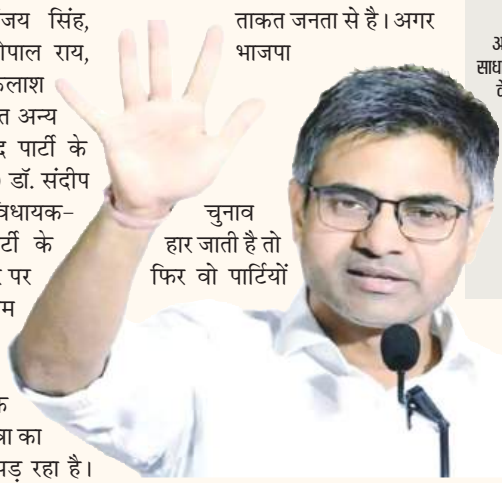

आप विधायकों के खिलाफ लोगों में गुस्सा : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप के आपका विधायक आपके द्वार कैंपेन पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप विधायकों के खिलाफ जनता में आक्रोश है। इसकी सबसे बड़ी वजह भ्रष्टाचार है। दिल्ली की जनता को इससे निजात चाहिए। आगामी विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की दिल्ली से विदाई तय है। सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी अब राजनीतिक रूप से पूरी तरह हताश दिखाई दे रही है। पिछले दस साल से विधायक, पार्षद और राज्यसभा सांसद जनता से कटे रहे।

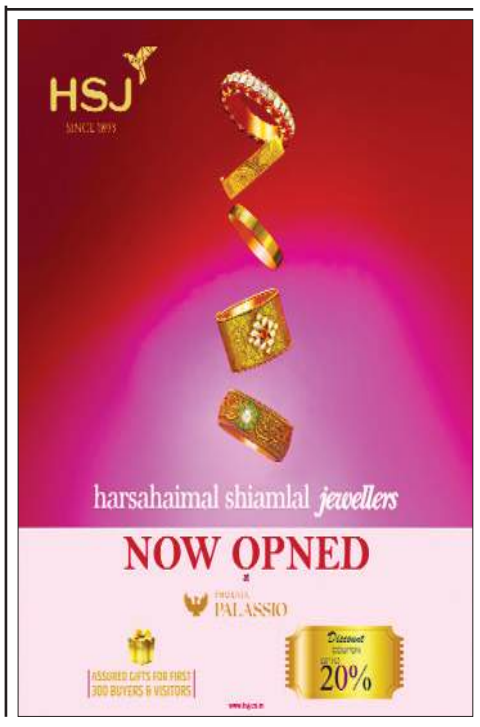

राज्य में ध्वस्त हो गई योगी सरकार की कानून-व्यवस्था!

» पश्चिम से लकर पूर्वांचल तक हत्या व लूटकांड बढ़े अपराधियों में पुलिस का भय खत्म

» जन्माष्टमी पर मंदिर गई दो सहेलियों के मिले शव

» फर्रुखाबाद में आम के बाग में पेड़ से लटकी मिलीं दोनों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार में राज्य कानून व्यवस्था चरमरा गई है। अपराध पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली यूपी पुलिस का डर अब अपराधियों में नहीं रह गया। अलीगढ़ से लेकर देवरिया तक अपराधी लोगों को कत्ल करके भाग रहे हैं और पुलिस हाथ पर हाथ धरी हुई। बढ़ते अपराधों को लेकर सपा, कांग्रेस व बसपा के निशाने पर बीजेपी सरकार भी आई है।

विपक्ष ने कानून की खराब हालत पर सीएम योगी पर भी सवाल उठाए है। सबसे बड़ा हादस फर्रुखाबाद के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में हुई है।फर्रुखाबाद जिले में कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के भगौतीपुर गांव में दो युवतियों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दरअसल, आम के बाग में दो सहेलियों के शव एक ही दुपट्टे से फांसी के फंदे पर लटके मिले हैं। सुबह बाग पर पहुंचे ग्रामीण ने शव लटकते देखे, तो अन्य लोगों को सूचना दी।

वहीं, जानकारी होने पर परिजन भी पहुंचे, तो फंदे पर बेटियों को लटका देख दंग रहे गए। सूचना पर पुलिस अधीक्षक भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

परिजनों ने लगाया दोनों की हत्या का आरोप

मृतक युवतियों के परिजनों ने दोनों की हत्या कर शव लटकाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी के त्योहार पर दोनों युवती कल मंदिर पर गईं थीं। देर रात तक न लौटने पर परिजनों ने बुआ के घर रुकने की आशंका जताई थी। सुबह ग्रामीणों से शव मिलने की सूचना मिली।

बदायूं में महिला की हत्या, पति घायल, बदमाशों ने किया हमला

बदायूं के उझानी में दिल्ली से घर लौट रहे दंपती पर बदमाशों ने हमला कर मोबाइल व 40 हजार रुपये लूट लिए। विरोध करने पर महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई जबकि पति बदमाशों के चंगुल से छूटकर भाग निकला। वह भी घायल हुआ है। कोतवाली क्षेत्र के गांव मानकपुर निवासी सरताज पत्नी के साथ दिल्ली में रहकर मेहनत मजदूरी करता है। वह दिल्ली से घर आ रहे थे। मंगलवार सुबह करीब चार बजे उझानी बस से उतरे और पैदल ही कच्चे रास्ते से गांव को चल दिए। जैसे ही दंपती राजनगर कॉलोनी के पास पहुंचे वहां चार बदमाश मिल गए। लूटपाट के साथ ही महिला की बदमाशों ने गला रेतकर सरेराह हत्या कर दी। जबकि उसका पति हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ है। फिलहाल एसएसपी ब्रजेश सिंह समेत पुलिस मौके पर मौजूद है और बदमाशों की तलाश की जा रही है। सनसनीखेज वारदात उझानी कोतवाली इलाके की राजनगर कालोनी में हुई। इसी इलाके के मानकपुर गांव निवासी निदा (25) अपने पति सरताज के साथ दिल्ली से लौटी थी। सरताज दिल्ली में मेहनत मजदूरी करता है। बस से उतरकर दोनों पैदल अपने घर जा रहे थे लेकिन कालोनी के बाहरी तरफ चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया।पुलिस को पति सरताज ने बताया कि बदमाशों से हाथापाई के बाद घायल हो गया और अपने घर भाग गया। जबकि निदा वहीं बदमाशों से उलझती रह गई।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी में नर्सिंग छात्रा से रेप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अभी महाराष्ट्र में बदलापुर यौन शोषण का मामला व कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस खत्म नहीं हुआ कि बाद महाराष्ट्र के रत्नागिरी में नर्सिंग कॉलेज की स्टूडेंट से रेप का केस सामने आया है। यहां एक ऑटो ड्राइवर ने नशीला पदार्थ मिलाकर पीड़ति को बेहोश किया और जंगल में ले जाकर उसके साथ रेप किया।

घटना सोमवार (26 अगस्त) की है। पीड़ित की उम्र 19 साल है। उसने होश आने के बाद अपनी बहन को फोन कर घटना के बारे में बताया। घटना का पता चलते ही रत्नागिरी में लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। एसपी जयश्री गायकवाड़ ने अस्पताल में पीड़ित से घटना के बारे में जानकारी ली और केस दर्ज कर कराया।

पश्चिम भारत में आसमान से जमकर बरसी आफत

» गुजरात में बारिश का कहर जारी, कई राज्यों में अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में इन दिनों कई इलाकों में जमकर बारिश हो रही है। खासकर गुजरात में तो आसमान से मानों आफत ही बरस रही है। गुजरात के वडोदरा में 28 सेंटीमीटर बारिश हुई है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि 26 अगस्त को सुबह 8.30 बजे से आज सुबह साढ़े पांच बजे तक गुजरात के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश हुई है।

गुजरात में बीते दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके चलते हजारों लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजना पड़ा है। सड़कों पर पानी भरने के चलते ट्रैफिक जाम की समस्या विकट हो गई, जिसके चलते शहरों की रफ्तार थम गई। प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती की गई है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है कि गुजरात में अगले एक दो दिन अभी और भारी बारिश का अनुमान है।

पश्चिम बंगाल के बांकुरा में भी जमकर बादल बरसे। बांकुरा में 10 सेंटीमीटर बारिश हुई। वहीं डायमंड हार्बर में नौ सेंटीमीटर, कोलकाता के अलीपोर और दम दम इलाकों में क्रमशः छह सेंटीमीटर और चार सेंटीमीटर बारिश हुई है।

फोटो: सुमित कुमार

मायावती एक बार फिर चुनी गईं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती को एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। मायावती फिर सर्वसम्मति से पांच वर्ष के लिए बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने प्रस्ताव रखा था। बता दें मायावती वर्ष 2003 से बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी हुई हैं। मंगलवार को लखनऊ में बसपा कार्यालय में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई। इसमें जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ-साथ प्रदेश की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की रणनीति पर भी मंथन किया गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बना 'मौत का हाईवे'

» मुख्य रास्ते पर छुट्टा जानवरों के आने से बढ़े हादसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पे पर मौतों और दुर्घटनाओं की बाढ़ सी आ गई। ऐसा लगता है कि व मौत का हाइवे बन गया है। घटनाएं मुख्य रास्ते पर जानवरों के आने से हो रही हैं। एक्सप्रेस-वे के आस पास बेस गांव वासियों ने निजी लाभ के लिए जगह-जगह तार काट दिए है, जिस से आवारा छुट्टा जानवर अंदर आ जाते है और एक्सप्रेस वे पर चढ़ जाते है। इसका शिकार निर्दोष और मासूम यात्री हो रहे है, गाड़ियां इन जानवरों से टकरा रही हैं और लोग जान गवा बैठते हैं।

कुछ घटनाओं में तो परिवार बर्बाद हो गए और मासूम बच्चे भी शिकार हुए। अभी बीते बुधवार की रात हुए हादसे में कार सवार मां-बेटा समेत तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब मेहंदीपुर बालाजी का दर्शन कर सभी वापस लौट रहे थे। आजमगढ़ के सगड़ी तहसील के नगवा निवासी सर्वेश कुमार पुत्र शिवकुमार पत्नी गीता व पुत्र युग और ममेरे भाई फूलपुर निवासी शैलेश प्रजापति व इनकी पत्नी संजू के साथ मेहंदीपुर बालाजी का दर्शन कर लौट रहे थे। कार जब पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 149 पर बुधवार की रात करीब दस बजे पहुंची तो अचानक सामने आए पशु को बचाने की कोशिश में वह पलट गई। रफ्तार तेज होने के कारण वह पलटते हुए गाजीपुर-लखनऊ लेन पर पहुंच गई। दूसरी घटना में एक पिकप ट्रक में जा घुसी। तीसरी घटना बेहद भयंकर रही बीते शुक्रवार 156 माइलटोन पर खालिसपुर दुर्गा थाना दोस्तपुर में दिल्ली से गोरखपुर जा रहे दिल्ली पुलिस के दरोगा श्याम बिहारी शरण के कार की टक्क र लखनऊ से आज़मगढ़ जा रही बोलेरो से हो गयी जिसमे मौके पर ही दरोगा की पत्नी की मौत हो गयी बाद में इलाज की दौरान बोलेरो सवार दो अन्य गणेश एवं महेश की भी मृत्यु हो गयी।

ग्रामीणों ने जगह जगह काटे तार

ऐसे को एक्सप्रेस-वे सुरक्षा अथॉरिटी को ध्यान देना होगा कि ग्रामीण जगह जगह तारों को जो काट रहे उनपर कार्यवाही सुनिश्चित हो और एक्सप्रेस-वे पर निश्चित स्थानों के आलावा गाड़ियों को रोकने पे प्रतिबन्ध हो जिस से आये दिन होने वाले इस मौत के खेल को रोका जा सके।

एन्टी-लार्वा का छिड़काव व फॉगिंग कराई गई

नगर आयुक्त व नगर स्वास्थ्य अधिकारी सहित पार्षदों की मौजूदगी में चला वृहद अभियान

» कमिश्नर ने बीट बना कर नियमित सफाई के निर्देश जारी किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम प्रशासन ने संचारी रोगों जैसे डेंगू व मलेरिया इत्यादि से बचाव एवं इनकी व्यापक रोकथाम के उद्देश्य से शहर में सघन अभियान शुरू किया हे जो लगातार चल रहा है। इसी के तहत जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

नगर आयुक्त के आदेशानुसार नगर स्वास्थ्य अधिकारी पी.के. श्रीवास्तव के नेतृत्व में एवं पार्षदगणों की उपस्थिति में नगर के अंतर्गतजिसके लिए नगर निगम के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन नियनित रूप से योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रहे हैं। उसी क्रम में आज नगर आयुक्त द्वारा समस्त अधिकारियों एवं पार्षदों के साथ चार प्रमुख वार्डो अयोध्या दास वार्ड,फैजुल्लागंज प्रथम वार्ड, फैजुल्लागंज द्वीतीय, फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड एवं फैजुल्लागंज चतुर्थ वार्ड का निरीक्षण कर वृहद अभियान चलाकर सघन गतिविधियों को सुनिश्चित कराया गया। साथ ही नगर आयुक्त द्वारा समस्त कर्मचारियों को प्रतिदिन नियमित रूप से टीमें बनाकर साफ सफाई इत्यादि कार्यो को किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

चार प्रमुख वार्डों में घूमीं नगर निगम की टीमें

उक्त के क्रम में आज प्रातः 06: 00 बजे समस्त चारों वार्ड में अभियान चलाते हुए संचारी रोगों से बचाव के लिए टीमों को बनाकर क्षेत्रान्तर्गत मौजूद समस्त बड़े व छोटे नाले नालियों में, यहां मौजूद घरों में एन्टी-लार्वा का छिड़काव कराते हुए फॉगिंग कराई गई। साथ ही क्षेत्र में मौजूद जलाशयों में ड्रोन के माध्यम से छिड़काव इत्यादि की कार्यवाही को सुनिश्चित किया गया। इसके अतिरिक्त बड़े नाले नालियों की सफाई भी वृहद रूप से कराई गई। उक्त अभियान में अयोध्या दास वार्ड के .पार्षदअवधेश त्रिपाठी, फैजुल्लागंज प्रथम वार्ड की .पार्षद श्रीमती रश्मि सिंह, फैजुल्लागंज द्वीतीय वार्ड की पार्षद श्रीमती प्रियंका, फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड के पार्षद प्रदीप शुक्ला एवं फैजुल्लागंज चतुर्थ वार्ड के मा.पार्षद रामू कनौजिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।